गरीबों का निवाला अमीरों के घर

रामप्रसाद बघेल

कवर्धा, 10 मार्च (छत्तीसगढ़)। जिला मुख्यालय कवर्धा में जहां सम्पन्न लोग अपना नाम गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों में शामिल करके एक-दो रूपए किलो में राशन ले रहे हैं। वहीं सही मायने में गरीब अपने नाम गरीबी रेखा में जुड़वाने के लिए प्रशासन के चक्कर काट-काटकर थक गए हैं। जिससे इन्हें सस्ता चावल नहीं मिल रहा है।

सीएमओ रमेश कुमार जसवाल का कहना है कि सर्वे टीम गरीबों की सूची बनाती है। सर्वे सूची के आधार पर नाम जोड़ा जाता है। उन्होंने जो नाम लिखवाए हैं वे सर्वे सूची में दर्ज नाम हैं। उसी के आधार पर राशन कार्ड बनाया जाता है। खाद्य अधिकारी के एस नाग का कहना था कि वे तो राशन कार्ड के आधार पर वह खाद्यान्न जारी करते हैं।

गंगानगर निवासी गीता मलहा, संतुराम चंद्रवंशी, चम्पाबाई, संजय, राजू, श्याम और धनबाई ने बताया कि नगर पालिका परिषद और जिला कार्यालय में दो साल से आवेदन दे रखा है कि उनका नाम गरीबी रेखा में दर्ज कर राशन कार्ड बनाया जाए लेकिन अब तक नाम नहीं जुड़ पाया है और ना ही राशन कार्ड बन पाया है।

दूसरी ओर पक्के मकान और बहुमंजिला इमारत वाले सम्पन्न लोगों का नाम गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले सूची में शामिल है और राशन कार्ड बना हुआ है। ये कथित गरीब एक रूपये किलो में चावल और अन्य प्रकार के राशन का उपयोग कर रहे हैं। इसके साथ-साथ शासन से मिलने वाले अन्य प्रकार के लाभ ले रहे हैं। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में तो अनेक ऐसे परिवार गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों की सूची में शामिल है जो शासकीय सेवारत है।

खाद्य सचिव प्रदीप पंत ने 'छत्तीसगढ़' से चर्चा में कहा कि सर्वे सूची के आधार पर कार्ड बांटे गए हैं। यह बात सामने आई है कि कई लोग गरीबी रेखा से उपर उठ गए हैं अथवा अपात्र सर्वे सूची में नाम जुड़वाने में सफल हो गए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए कार्डधारकों के घर में नाम लिखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक दबाव बनाकर ही कार्ड सरेंडर करने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इसमें कुछ हद तक सफलता भी मिली है और बड़ी संख्या में अपात्रों के कार्ड निरस्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही कार्ड के नवीनीकरण का काम पूरा होगा, इसमें और भी अपात्र लोगों के कार्ड निरस्त होंगे।

खाद्य विभाग के प्रमुख सचिव विवेक ढांड ने 'छत्तीसगढ़' से चर्चा में कहा कि कई अपात्र लोगों को मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना का लाभ मिल रहा है, ऐसी शिकायतें सामने आई है। इस पर कार्रवाई के लिए जल्द ही विशेष अभियान चलाने की योजना है। पहले चरण में शहरी क्षेत्रों में राशन कार्डों का नवीनीकरण और सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाकर अपात्र लोगों को अलग किया जाएगा और पात्र लोगों के नाम जोड़े जाएंगे।

पुलिस पिटाई से युवक की मौत का आरोप

छत्तीसगढ़ संवाददाता

नवागढ़, 10 मार्च। होली में शांति व्यवस्था कायम रखने के नाम पर हिरासत में लिए गए युवक की अस्पताल में मौत के मामले उस समय तूल पकड़ लिया जब, मृतक के पिता ने आरोप लगाया कि जेल में पुलिस की पिटाई के कारण उसके बेटे की मौत हुई है। नवागढ़ के युवक सुरेश वैष्णव की मौत की खबर फैलते ही आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ थाने के सामने जमा हो गई। हालात बिगड़ता देख एसडीओपी को नवागढ़ पहुंचकर थाने की मकान संभालनी पड़ी। नवागढ़ के जनप्रतिनिधियों ने मामले की जांच कराने और दोषी पुलिस अफसरों पर कठोर कार्रवाइ करने की मांग की है।

मामले के संबंध में बताया गया कि सुरेश वैष्णव (27) को होली के पूर्व 27 फरवरी को शांति व्यवस्था कायत रखने की धारा 110 के तहत गिरफ्तार किया गया था। उसे एसडीएम बेमेतरा के कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे बेमेतरा उपजेल भेजा गया। इसके बाद 11 मार्च को सुरेश के पिता को पुलिस ने जानकारी दी कि सुरेश की तबियत खराब है, उसे बेमेतरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस का कहना था कि वह चलते-चलते अचानक गिर गया था।

सुरेश के पिता ने हालत और बिगड़ने की स्थिति में उसे मुंगेली के मिशन अस्पताल में भर्ती कर दिया। यहां उपचार के दौरान ही उसकी मृत्यु हो गई।

सुरेश के पिता केडी वैष्णव ने आरोप लगाया है कि उपजेल में उनके बेटे की पिटाई की गई, जिसके बाद उसे भर्ती कराने की नौबत आई। मौत पुलिस की पिटाई से हुई है।

यह खबर फैलते ही नवागढ़ के जनप्रतिनिधि रितेश तिवारी, आशीष जैन, अरुण वैष्णव और पार्षद राहुल सुराना भीड़ के साथ थाने गए और अपना विरोध दर्ज करवाया। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस को अतिरिक्त बल तैनात करना पड़ा है।

जांच की जा रही है- एसडीओपी

बेमेतरा के एसडीओपी श्री बैस ने कहा कि मामले की जांच हो रही है। इसमें किसी तरह की कोताही नहीं बरती जाएगी। नवागढ़ में पुलिस बल भेजा गया है। वे स्वयं इस मामले को देख रहे हैं।

पिटाई नहीं हुई- सब जेलर

बेतेतरा उपजेल के सब जेलर जीआर साहू ने कहा है कि युवक की पिटाई नहीं की गई है। वह 3 मार्च को चलते-चलते गिर गया था। उसे व्यक्तिगत मुचलके पर छोड़ दिया गया था और अस्पताल ले जाया गया था। उसके पिता ने उसे इलाज के लिए भर्ती किया था।

पुलिस ने ही पीटा है- पिता

मृतक के पिता केडी वैष्णव कहते हैं कि सुरेश को जेल के अंदर पुलिस ने ही पीटा है। उसके शरीर पर चोट के निशान थे।

बीवी-बच्चों को तलाशते दर-दर भटक रहा त्रिभुवन

महासमुंद, 10 मार्च। महासमुंद शहर के छिपियापारा का त्रिभुवन यादव अपनी पत्नी और चार बच्चों की तलाश में दर-दर भटक रहा है।

त्रिभुवन की पत्नी कुमारी बाई पिछले 27 जनवरी को अपने चार बच्चों (सभी 11 वर्ष से कम) के साथ घर से बाहर निकली तो फिर लौटी नहीं। पड़ोसियों और खुद त्रिभुवन की मानें तो कुमारी बाई मानसिक तौर पर कमजोर थी। साथ में उसकी बेटियां भागवती, अंजली, नेहा और बेटा शरद भी थे।

त्रिभुवन कहता है कि वह आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है और अखबारों में इश्तेहारबाजी या सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर नहीं चिपका सकता। रेलवे स्टेशन में चना बेचकर गुजारा होता है। उसने पुलिस में रिपोर्ट करवा दी है। लेकिन दो माह बीत रहे हैं और उसके परिवार का कुछ अता-पता नहीं है।

त्रिभुवन ने जन सहयोग से महासमुंद जिले के लगभग सभी कस्बों और राजनांदगांव, भाटापारा, राजिम में भी खोजबीन की है। इस तलाशी में उस पर अब तक 10 हजार रुपए का कर्ज चढ़ चुका है।

सिम्स में रेव पार्टी का आरोप

सीनियरों के साथ प्रोफेसर भी शामिल?

छत्तीसगढ़ संवाददाता

बिलासपुर,10 मार्च। सिम्स में रात को महफिल सजती है और बेधड़क सैक्स रैकेट चलता है। सीनियर छात्रों के साथ ही कुछ प्रोफेसर भी इसमें शामिल रहते हैं। सिम्स के ही कुछ छात्रों के इस आरोप से सनसनी फैल गई है।

छात्रों ने इसकी शिकायत एसपी से की है। एसपी ने मामले में तत्काल जांच के आदेश देते हुए एडिशनल एसपी को निर्देश दिया है कि एक हफ्ते के भीतर जांच रिपोर्ट पेश की जाए। इस बारे में एसपी विवेकानंद सिन्हा ने बताया कि एडिशनल एसपी के पास छात्रों का शिकायती पत्र पहुंचा है और मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। एडिशनल एसपी गोवर्धनसिंह ठाकुर ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है रिपोर्ट भेजने में कुछ समय लग सकता है।

सिम्स का हास्टल मारपीट और शराबखोरी साथ ही सैक्स रैकेट के लिए भी बदनाम हो चला है। कुछ छात्रों ने एसपी से शिकायत की है कि यहां आए दिन सेक्स पार्टी होती है। छात्रों का आरोप है कि हास्टल के कुछ सीनियर छात्र अपनी शराब व नशाखोरी की लत पूरी करने के लिए रोजाना जूनियरों से पैसे की मांग करते हैं। पैसे नहीं देने पर गाड़ी से पेट्रोल निकालकर और मोबाइल सेट जब्त कर बेच दिया जाता है। फिर इस पैसे से शराब,के साथ रेव एंड सेक्स पार्टियां की जाती है। इसे गोपनीय रखा जाता है। शिकायतकर्ता छात्रों के अनुसार हास्टल में बाहर से भी लड़कियां भी लाई जाती हैं। इसमें कुछ प्रोफेसर भी मदद करते हैं। रात होने के बाद सीनियरों का यह खेल शुरू हो जाता है। जूनियर्स को सिगरेट से दागना, रात को पानी की टंकी पर खड़े कराना, कपड़े धुलवाना, मोबाइल रिजार्च कराना, नहाने के बाद जूनियरों से अंडरवियर, बनियान धुलवाना, ये सब रैगिंग का हिस्सा है।

जूनियरों ने शिकायत की है कि रात में सोते समय जूनियरों को कमरा बंद कर सोने की इजाजत भी नहीं है। इसी तरह उन्हें सिर्फ अंडरवियर पहनकर सोने को कहा जाता है। सीनियर्स रात को उनके कमरे में जाकर तलाशी लेते हैं। छात्रों के अनुसार हास्टल में इस घिनौने काम को अंजाम देने में 7 सीनियर छात्रों के साथ दो प्रोफेसर भी शामिल है। ये प्रोफेसर भी जूनियरों से अप्राकृतिक कृत्य करते हैं। जूनियर छात्रों के बनाए गए अश्लील फोटो भी उनके पास हैं। जूनियर छात्रों के अनुसार इस बात की जानकारी डीन सहित सभी प्रशासनिक अधिकारियों को हैं लेकिन कार्रवाई करने का साहस कोई नहीं दिखा पा रहा है।

शिकायतकर्ताओं के अनुसार सिम्स के हास्टल में रहने वाले सीनियर छात्रों के पास कट्टा, हाकी, राड, गुप्ती और चेन जैसे खतरनाक हथियार हैं। रात को हास्टल के कुछ लड़के कोनी और रायपुर रोड की ओर जाकर लूटपाट भी करते हैं। इसी तरह ये लोग शहर के असामाजिक तत्वों को अपने कमरे किराए पर देते हैं। यहां बाहर से लड़कियां लाई जाती हैं।

वर्षों सें चल रहे फर्जीवाड़े का होगा खुलासा

नियमित, दैवेभो, टास्क तदर्थ और ठेकों पर काम कर रहे कर्मियों की होगी गिनती

छत्तीसगढ़ संवाददाता

बिलासपुर,10 मार्च। निगम कमिश्नर मुकेश बंसल द्वारा विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मियों की सूची मांगे जाने के बाद से हड़कंप मच गया है। कमिश्नर के कड़े रूख के बाद ऐसा माना जा रहा है कि वर्षों सें चल रहे फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ होगा। इसके साथ ही बदहाल नगर निगम में व्यवस्था सुधारने अब फिजिकल वेरीफिकेशन की तैयारी की जा रही है।

कमिश्नर श्री बंसल के कड़े रूख से विभागीय अधिकारियों के होश उड़ गए हैं। उन्होंने दो टूक शब्दों में विभाग प्रमुखों को विभिन्न विभागों में नियमित, दैनिक वेतन भोगी, टास्क, तदर्थ एवं ठेके पर आधार पर काम कर रहे कर्मचारियों की सूची पेश करने फरमान जारी किया। इसके लिए विभाग प्रमुखों को दो दिनों की मोहलत दी गई है। तय समय सीमा में सूची उपलब्ध न कराने वाले सब-इंजीनियरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा और लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई भी की जा सकती है।

मेयर श्रीमती वाणी राव व कमिश्नर श्री बंसल को इस बात की शिकायतें मिली थी कि निगम के विभिन्न विभागों में कई ऐसे कर्मचारी काम कर रहें हैं जिनकी नियुक्ति का अता-पता नहीं है। कई ऐसे भी कर्मचारी हैं जो बेनामी नाम से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि फिजिकल वेरीफिकेशन के दौरान फर्जीवाड़ा सामने आएगा। सोमवार को हुई समय सीमा की बैठक में भी कमिश्नर श्री बंसल ने सफाई कामगारों को शनिचरी व तालापारा के अलावा अन्य मोहल्लों में आबंटित किए गए आवास में रहने वाले सफाई कामगारों को अद्यतन सूची देने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही राजस्व व बाजार विभाग के अधिकारियों को वसूली की कारवाई तेज करने फरमान जारी किया है। कमिश्नर ने स्वास्थ्य अधिकारी को टूटी-फूटी सामग्रियों की सूची बनाने तथा इसकी नीलामी करने के निर्देश दिए।

जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों को तीन दिन के भीतर हाउस नंबरिंग, वार्ड का नक्शा व ब्लॉक तैयार कर चार्ज अधिकारी को देने कहा। इस बारे में महापौर श्रीमती वाणी राव ने बताया कि नगर निगम के पिछले कार्यकाल में इतने फर्जी काम हुए हैं कि उनकी गिनती भी नहीं की जा सकती। इन सभी का बारी-बारी से खुलासा किया जाएगा। निगम में भर्राशाही का आलम है।

संसाधन के नाम पर यहां टूटे-फूटे वाहन और बिगड़ी मशीनें हैं। हद तो इस बात की है कि निगम के कुछ महत्वपूर्ण विभागों में दर्जनों ऐसे कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनका रिकार्ड निगम के दस्तावेजों में भी नहीं है। राशि के दुरूपयोग के साथ ही गुणवत्ताविहीन निर्माण करने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा। मेयर श्रीमती राव ने कहा कि गुणवत्ता पर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। चाहे वह कोई भी हो, कार्रवाई की जद में आने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

छाया / छत्तीसगढ़

राजनांदगांव। गर्मी की दस्तक शुरू होते ही, गर्मी में प्यास बुझाने वाला फल कलिंदर की आवक इन दिनों बाजार में बड़ी मात्रा में शुरू हो गई है।

लम्बर हाईस्कूल में लगा वाटर कूलर

सरायपाली, 10 मार्च। ग्राम लम्बर के हाईस्कूल में अब अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को भीषण गर्मी में ठंडा पानी उपलब्ध होगा। इसके लिए जनभागीदारी समिति द्वारा शाला में वाटर कूलर स्थापित कर 8 मार्च को लोकार्पण किया गया। जनसहभागिता के अन्तर्गत शाला प्रबंधन व विकास समिति द्वारा उक्त सुविधा छात्र-छात्राओं के हितों को ध्यान में रखकर किया गया।

शाला प्रांगण में वाटरकूलर का लोकार्पण (सरपंच) सुनिता मदन चौरसिया के मुख्यआतिथ्य व अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति पुरुषोत्तम चौरसिया की अध्यक्षता व जिला परियोजना समन्वयक आरपी आदित्य के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

वाटर कूलर के लोकार्पण के पश्चात शाला में ग्राम शिक्षा सभा का भी आयोजन किया गया। जिसमें शाला से संबंधित एवं शासन की विभिन्न शिक्षा संबंधी योजनाओं को पालकों को बताया गया। उक्त जानकारी समिति के कोषाध्यक्ष व शिक्षक उग्रसेन पटेल द्वारा दी गई।

नकल हुई तो केन्द्र की मान्यता रद्द

केन्द्राध्यक्ष और पर्यवेक्षक के विरूद्ध भी होगी कड़ी कार्रवाई

छत्तीसगढ़ संवाददाता

बिलासपुर,10 मार्च। उड़नदस्ता दलों के निरीक्षण के बाद भी बोर्ड परीक्षाओं में नकल नहीं रूक पाने को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने निरीक्षण के दौरान नकल करते पाए जाने पर संबंधित परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष और पर्यवेक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। जिन केन्द्रों में नकल के प्रकरण दर्ज होंगे उनकी केन्द्र की मान्यता रद्द करने की अनुशंसा भी शासन से की जायेगी।

अपर कलेक्टर टी.के. वर्मा ने जिले में संचालित हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी परीक्षा के लिए नियुक्त सभी केन्द्रों के पर्यवेक्षकों एवं केन्द्राध्यक्षों को हिदायत देते हुए कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाओं का शांतिपूर्वक संचालन सुनिश्चित किया जाए। निर्देश के अनुसार फ्लाइंग स्क्वायड तथा परीक्षा केन्द्रों के आकस्मिक निरीक्षण के लिये नियुक्त अधिकारी को भी किसी परीक्षा केन्द्र में नकल के प्रकरण पाये जायेंगे तो संबंधित केन्द्राध्यक्ष और पर्यवेक्षक के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई होगी। इसके साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भी परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण किया जायेगा।

प्रशासन ने बोर्ड परीक्षाओं हेतु उड़नदस्तों के अतिरिक्त तेरह संवेदनशील केन्द्रों का निरीक्षण के लिये वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की डयूटी लगायी गयी है। परीक्षाओं के निरीक्षण के लिये जिन अधिकारियों की केन्द्रों में डयूटी लगायी गयी है उन्हें हिदायत दी गयी है कि वे परीक्षा प्रारंभ होने के आधे घण्टे पूर्व केन्द्र में पहुंचें तथा समाप्ति के आधा घण्टे बाद परीक्षा केन्द्र छोड़े। इसके साथ ही अधिकारियों से कहा गया है कि केन्द्रों के निरीक्षण के लिये जिनकी डयूटी लगायी गयी है, वे नियत केन्द्र से ही डयूटी करें अन्य केन्द्र में उपस्थित पाये जाने पर उनके विरूद्ध कार्यवाही होगी। अपर कलेक्टर ने कहा है कि जिन केन्द्रों में नकल के प्रकरण दर्ज होंगे उनकी केन्द्र की मान्यता रद्द करने की अनुशंसा शासन को की जायेगी।

बोहारडीह की मान्यता रद्द करने की मांग

उड़नदस्ते के प्रमुख डिप्टी कलेक्टर डीके अग्रवाल ने कलेक्टर को पत्र लिखकर बोहारडीह को दोबारा परीक्षा केंद्र नहीं बनाने की सलाह दी है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि यहां गांव के बीच में स्कूल है। ग्रामीणों द्वारा नकल कराने की कोशिश करने से यहां भारी दबाव की स्थिति रहती है। कई बार उन्हें नियंत्रित करने में काफी दिक्कों का सामना करना पड़ता है। हालात को देखते हुए यहां के केंद्राध्यक्ष ने भी इस केंद्र को हमेशा के लिए बंद करने का अनुरोध किया है। इससे पहले भी तहसीलदारों ने परीक्षा केंद्र को बदलने के लिए पत्र लिखा है।

करेंट व आग से झुलसकर पिता-पुत्र की मौत

नगर पंचायत तिफरा में हुआ हादसा

छत्तीसगढ़ संवाददाता

बिलासपुर ,10 मार्च। नगर पंचायत तिफरा में शार्ट शर्किट से लगी आग में झुलसने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। परिवार के एक मात्र कमाऊ सदस्य के साथ घर का चिराग भी इस हादसे का शिकार हो गया। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है।

तिफरा के मन्नाडोल के बछेरापारा मे तीस वर्षीय छामलाल सूर्यवंशी अपनी बूढ़ी मां जमुनी बाई, पत्नी व तीन बच्चों के साथ रहता था। पेंटिंग का काम कर के वह अपने परिवार का भरण पोषण करता था। मंगलवार की दोपहर वह घर में खाना खा रहा था। कमरे के समीप ही उसका तीन साल का बेटा भी सोया हुआ था। गर्मी की वजह से धरम लाल ने टेबल पर पंखा चालू कर रखा था। पत्नी पड़ोस में ही टीवी देखने गई हुई थी। अचानक धरमलाल का पुत्र उठा और पंखे के नजदीक जाकर उसे छू लिया। पंखे में प्रवाहित करेंट से राजा चिपक गया। पुत्र को पंखे में चिपका देख धरमलाल भी उसे छुड़ाने पहुंच गया और उसे भी करेंट का तेज झटका लगा। इसी दौरान शार्ट शर्किट हुई और कमरे में रखे कपड़ों में आग लग गई। कपड़ों के साथ ही आग ने वहां रखे धान सहित अन्य सामानों को भी अपनी चपेट में ले लिया।

आग लगने के बाद भरी दोपहर में घर में गहरा धुंआ उठते देख आने जाने वालों को घर में आग लगने की आशंका हुई। मौकें पर जाकर देखने पर पड़ोसियों को माजरा समझ में आया। उन्होंने किसी तरह विद्युत प्रवाह को बंद कराया और कमरे में घुसे। तब तक करेंट व आग से झुलसने की वजह से मौके पर ही तीन वर्षीय राजा की मौत हो गई थी। वहीं अंतिम सांसे ले रहे धरम लाल की भी कुछ देर बाद मौत हो गई। इस हादसे के बाद पूरे मोहल्ले में मातम का सन्नाटा पसरा हुआ है। पिता पुत्र की मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। पिता हेतराम की मौत बाद धरमलाल अपनी बूढ़ी मां जमुना बाई व तीन बच्चों के परिवार का सहारा था। परिवार में बूढ़ी मॉ पत्नी के साथ दो कविता व सविता बचे है। वो तीसरी व पहली कक्षा में पढ़ती है। हादसे के वक्त दोनों बहनें स्कूल गई हुई थी। धरमलाल पोताई का काम करता था। मेहनत मजदूरी से वह अपने परिवार की आजीविका चलाता था। नियति ने घर के चिरागों से घर का आसरा भी छिन लिया है।

सैलानी की डायरी

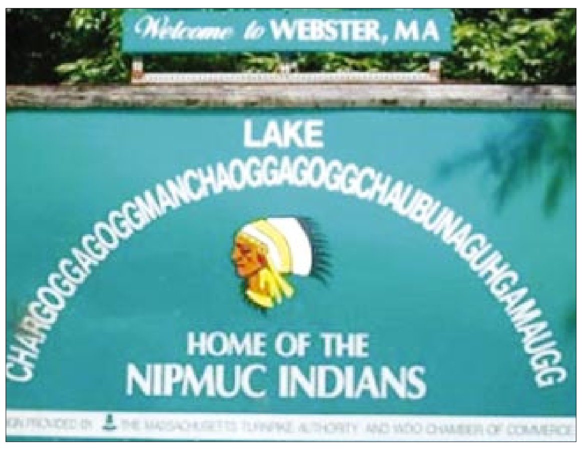

अमरीका के दक्षिण मेसाचुसेट्स में करीब डेढ़ हजार एकड़ की एक झील है जहां पर वहां के मूल निवासी बसे हुए हैं। उनकी इस झील का नाम पढ़ना थोड़ा मुश्किल है क्योंकि इस नाम के 45 अक्षर हैं।

पाठक इस कॉलम के लिए दुनिया भर की तस्वीरें भेज सकते हैं। अगर तस्वीर उनकी खीचीं हुई हो तो उसका जिक्र करें।
pix.chhattisgarh@gmail.com